

कड़वा घूँट पीना	= अप्रिय बात को सहन कर लेना।
कन्नी काटना	= किसी कार्य से बचने का प्रयास करना।
कफ़न सिर पर बाँधना	= निर्भय होकर मरने को तैयार रहना।
कमर सीधी करना	= थकावट दूर करना, सुस्ताना।
कलई खुलना	= पोल/रहस्य खुलना।
काटने दौड़ना	= आक्रामक तेवर दिखाना।
कान खड़े होना	= चौकन्ना होना, सावधान हो जाना।
कान में तेल डालना	= कान बहरे की तरह कर लेना, सुनी अनसुनी करना।
काफूर होना	= गायब हो जाना।
कुत्ते की मौत मरना	= दर्दनाक मृत्यु होना।
खयाली पुलाव पकाना	= कल्पना में उन्नति की बातें सोचना या असंभव स्वप्न देखना।
खाक में मिलना	= पूरी तरह बरबाद हो जाना।
खाली हाथ लौटना	= असफल होकर लौटना।
खिचड़ी पकना	= कोई गुप्त योजना बनाना।
खेत की मूली समझना	= किसी को अत्यंत तुच्छ समझना।
गंगा नहाना	= किसी कठिन कार्य को पूरा कर लेना।
गड़े मुरदे उखाड़ना	= अनावश्यक पुरानी बातों को याद करना।
गले लगाना	= अपनाना, मित्र बना लेना।
गाल फुलाना	= रूठ जाना।
गिद्ध दृष्टि	= लालच।
गिरगिट की तरह रंग बदलना	= थोड़ी ही देर में कभी मित्र कभी शत्रु की सी बातें करना।
घुटने टेकना	= हार मान लेना।
गुड़-गोबर होना	= किसी अच्छी वस्तु/बात का नष्टप्राय हो जाना।
चुल्लूभर पानी में डूब मरना	= मुँह दिखाने लायक न रहना।